ABSTRACT

मध्यप्रदेश की जनजातियाँ

डॉ. दिलीप कुमार सोनी
सहायक -प्राध्यापक (समाजशास्त्र)
शास. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
सीधी (म.प्र.)

सारांश

मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियों में जनसंख्या की दृष्टि से गोंड एवं भील सबसे बड़ी जनजातियँ है। तीसरे क्रम की दावेदार अनेक जनजातियां है। इनमें से प्रमुख है बैगा, सहरिया, हल्बा, भरिया एवं कोल किन्तु जहाँ केवल गोंड़ भील जनजातियाँ कुल जनजातिय जनसंख्या की लगभग **65.5** प्रतिशत हैं। उपर्युक्त जनजातियाँ कुल जनजातीय जनसंख्या की मात्र **1** से **5** प्रतिशत तक हैं। साधारणतया इस प्रकार का विभ्रम जनजातीयों को विषम समूहों में बाँटने से ही होता है। मध्यप्रदेश की जनजातियों के प्रमुख **3** वर्ग हैं। पहले वर्ग में गोंड़ तथा गोड़ों की अभ्युत्पन्न जनजातियों को शामिल किया जाना चाहिये। दूसरा वर्ग भील तथा भीलों की निकटवर्ती जनजातियों का है जिसमें सहरिया जनजाति को भी शामिल करना उचित होगा तथा तीसरा वर्ग कोल या मुण्डा समूह की जनजातियों का है।

मुख्य शब्द- गोंड, भील, सहरिया, कोल, जनजातिय जनसंख्या

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्